कैंसर में लाभकारी दवाओं की पहचान भी हो सकती है: त्रिखा

लखनऊ (वसं)। डॉबर ऑंक्वस्ट की प्रयोगशाला में कैंसर की पहचान और कैंसर रोगियों को दी जाने वाली दवाओं के प्रभाव की जाँच विदेशी तकनीक से होती है। जाँच रिपोर्ट बमुश्किल चार दिन से हफ्ते भर में दे दी जाती है। यह दावा डॉबर फार्मा लिमिटेड के डायग्नोस्टिक प्रभारी विवेक त्रिखा ने किया। उन्होंने बताया कि रक्त कैंसर के मरीजों की दी जाने वाली तकरीबन डेढ़ लाख रुपए कीमत की दवा कितना प्रभावी होगी इसकी जाँच की सीएमएल (इरमा) तकनीक भी उनकी प्रयोगशाला में मौजूद है।

उन्होंने दावा किया है कि यह तकनीक एशियाभर में सिर्फ उनकी लैब में ही है। उनका कहना है कि 5 हजार रुपए कीमत की इस जाँच से मरीजों का लाखों रुपया बचाया जा सकता है। विवेक त्रिखा का कहना है कि लखनऊ समेत देशभर के कई दर्जन केन्द्रों पर कम्पनी के प्रतिनिधि जाँचों के लिए खून के नमूने लेते हैं। अब कोलम्बो और काठमांडू से भी नमूने जाँच के लिए लाए जा रहे हैं।